SWAMI VIVEKANANDA VIDYABHAVAN · LIBRARY

सत्यं शिवम्

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Major 1st Semester Examination, 2023-24

SANDSC101T-SANSKRIT (MAJOR)

FUNCTIONAL SANSKRIT AND METRE

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

UNIT-I

[25 Marks]

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं ***पञ्चकस्य*** संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च अशुद्धिसंशोधनं क्रियताम्। 1×5 = 5

(क) सुन्दरा बालकः गच्छति।
(ख) गच्छन् बालिका पतति।
(ग) अहं सुन्दरं फलानि खादामः।
(घ) रूपवान् नारी जलं पिवति।
(ङ) त्रिस्रः नराः नृत्यन्ति।
(च) सुन्दरः पुष्पाणि सन्ति।
(छ) मानवौ गृहे गच्छन्ति।

2. अधोलिखितैः अव्ययपदैः यथेच्छं ***पञ्चभिः*** संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च वाक्यानि विरच्यन्ताम्। 1×5 = 5

अद्य, अलम्, ऋते, ह्यः, यदा, प्रातः, उपरि।

3. संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च यथेच्छं ***पञ्चानां*** वाच्यपरिवर्तनं क्रियताम्। 1×5 = 5

(क) नरः गच्छति।
(ख) बालिका वृक्षात् पतति।
(ग) रामः चन्द्रम् अपश्यत्।
(घ) रूपवन्तं जनं रामः पश्यति।
(ङ) त्वं किं करोषि।
(च) मया हस्यते।
(छ) मानवः गृहं गतवान्।

4. अधोलिखितेषु यथेच्छम्-***एकस्य*** संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च अनुवादः करणीयः। 10

(क) Iswarchandra Vidyasagar was born in poor Brahmin family in the village Birsimha in the district of Midnapore. But he was meritorious and painstaking from his very childhood. His father brought him to Calcutta to give him education. In a short time he completed his education with great success. His mind was free from all types of prejudices.

ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর মেদিনীপুর জেলার বীরসিংহগ্রামে এক দরিদ্র ব্রাহ্মণ পরিবারে জন্মগ্রহণ করেছিলেন। কিন্তু বাল্যকাল থেকেই তিনি মেধাবী ও কষ্টসহিষ্ণু ছিলেন। তাঁর পিতা শিক্ষাদানের জন্য তাঁকে কলিকাতায় নিয়ে আসেন। অল্পসময়ের মধ্যেই সাফল্যের সাথে তিনি শিক্ষা সমাপ্ত করেছিলেন। তাঁর মন ছিল সর্বপ্রকার কুসংস্কার থেকে মুক্ত।

(ख) (i) Then the sun went down.
(ii) By and by night came.
(iii) Suddenly traveller saw a light at a distance.
(iv) He found a little hut and knocked.
(v) He was surprised on seeing a lady with a lamp.

(i) তখন সূর্য অস্ত গেল।
(ii) ক্রমে রাত্রি উপস্থিত হল।
(iii) হঠাৎ পথিক দূরে একটি আলো দেখতে পেল।
(iv) সে একটি ক্ষুদ্র কুটীর দেখতে পেল ও করাঘাত করল।
(v) দীপ হাতে এক রমণীকে দেখে সে বিস্মিত হল।

UNIT-II

[25 Marks]

5. अधोलिखितेषु ***प्रश्नपञ्चकं*** समाधेयम्। तेषु ***यथेच्छमेकः*** संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्यां समाधेयः। 2×5 = 10

(क) किं नाम पद्यम् ? तच्च कतिविधम् ?
(ख) वृत्तस्य लक्षणं किम् ? वृत्तं कतिविधम् ?
(ग) जातेः लक्षणं लिख्यताम्।
(घ) किं तावत् समवृत्तम् ? एकमुदाहरणं देयम्।
(ङ) किं तावत् विषमवृत्तम् ? एकमुदाहरणं देयम्।
(च) छन्दःशास्त्रे कति गणाः स्वीकृताः ? के च ते ?
(छ) छन्दःशास्त्रे के गुरुवर्णाः इति कथ्यन्ते ?

6. ***यथेच्छमेकस्य*** छन्दोनिर्णयः करणीयः। 5×1 = 5

(क) क्रियासु युक्तैर्नृप चारचक्षुषो
न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा
हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः॥

(ख) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

7. ***यथेच्छमेकस्य*** उत्तरं लेख्यम्। 10

(क) इन्द्रवज्रा इत्यस्य उपेन्द्रवज्रा इत्यस्य च स्वरूपं प्रतिपाद्यताम्।
(ख) छन्दोमञ्जरीमाश्रित्य लघुगुरुव्यवस्था संक्षेपेण प्रतिपादनीया।

——×——

R.K.S.M. VIVEKANANDA VIDYABHAVAN · LIBRARY